UNIVERSITY NEWS 13 APRIL 2026

AMAR UJALA

लविवि : वैदिक ज्ञान से बनाया वायुशोधक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग ने वैदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का अनोखा संगम पेश करते हुए एक खास वायु शोधक यंत्र का मॉडल तैयार किया है। इस अभिनव यंत्र में वैदिक यज्ञ प्रणाली और आयुर्वेद में वर्णित तुलसी, अनंत पुष्प, गुग्गुल जैसी आयुर्वेदिक वनस्पतियों के अर्क के साथ साल वृक्ष की गोंद (लोबान) व घृत का उपयोग किया जाएगा। इन तत्वों के संपर्क में आकर स्थानीय हवा और वायुमंडल को शुद्ध करने का दावा किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह और डॉ. अशोक कुमार शतपथी ने बताया कि उनके इस डिजाइन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से स्वीकृति भी मिल चुकी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल गुरु पकड़ेगा नकल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब शोध पत्र, असाइनमेंट और अन्य शैक्षणिक लेखन की डिजिटल निगरानी की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने और ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू की है, जिससे किसी भी प्रकार की नकल को आसानी से पकड़ा जा सकेगा। इस पहल के तहत सभी शिक्षकों को टर्निटिन सॉफ्टवेयर से जोड़ दिया गया है। इसके माध्यम से वे शोध प्रबंध, शोध पत्र और छात्रों के असाइनमेंट की मौलिकता की सटीक जांच कर सकेंगे। इससे मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और छात्रों में मौलिक लेखन को बढ़ावा मिलेगा। टर्निटिन एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य प्लेगरिज्म जांच सॉफ्टवेयर है। यह किसी भी दस्तावेज को इंटरनेट और अपने विस्तृत डाटाबेस से मिलाकर उसकी मौलिकता की जांच करता है। इसके जरिये यह पता लगाया जा सकता है कि सामग्री मौलिक है या कहीं से कॉपी की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

> “ इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में ईमानदारी, जिम्मेदारी और उत्कृष्टता के मूल्यों को विकसित करना है। इस पहल से छात्र वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर रूप से तैयार होंगे। – **प्रो. जेपी. सैनी,** कुलपति, लविवि

HINDUSTAN

शैक्षणिक कार्यों की साफ्टवेयर से जांच

लखनऊ। शैक्षणिक गुणवत्ता और ईमानदारी को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी शिक्षकों को 'टर्निटिन' सॉफ्टवेयर की सुविधा दी है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी के अनुसार, इस अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर से शोध पत्र, शोध प्रबंध और असाइनमेंट में मौलिकता की जांच हो सकेगी। यह टूल नकल व एआई जनित सामग्री की पहचान कर शोध कार्यों को पारदर्शी व उच्च स्तरीय बनाएगा। इस ऐतिहासिक पहल का उद्देश्य विवि में नैतिक लेखन पद्धति व शोध उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित करना है।

NBT

वेदों के कॉन्सेप्ट पर बनाया प्रदूषणरोधी यंत्र

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के शिक्षकों ने वेदों के कॉन्सेप्ट पर एक यंत्र डिजाइन किया है जो प्रदूषण को रोकने में सक्षम है। इस यंत्र की मदद से न सिर्फ वायु प्रदूषण बल्कि जल प्रदूषण को भी दूर किया जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से इस यंत्र के डिजाइन को पेंटेंट भी दिया गया है।

इस यंत्र का का नाम नवीकरणीय ऊर्जा-आधारित बहुआयामी फ़िल्टर उपकरण रखा गया है। इसे संस्कृत के हेड डॉ. अभिमन्यु सिंह व शिक्षक डॉ. अशोक कुमार शतपथी ने डिजाइन किया गया है। डॉ. अभिमन्यु सिंह ने बताया कि इसके डिजाइन में हमने वेदों में दी गई जानकारी का उपयोग किया। यह यंत्र वायु और जल की अशुद्धियों को भी वर्गीकरण कर अलग-अलग निस्तारित करने में सक्षम है।

HINDUSTAN TIMES

LU students secure runner-up spot at national hackathon

LUCKNOW: : Students of the department of computer science and engineering, faculty of engineering and technology, university of Lucknow secured first runner-up position at “Off-Grid”, a national-level hackathon held on April 10-11 at KIET Deemed to be University.

Over 1,500 teams registered, 40 reached offline rounds and 15 the final.

The team, Hemang Dutt Mishra, Kushagra Yadav and Ishaan Rastogi won a trophy and ₹10,000. Vice-chancellor prof JP Saini congratulated them, while coordinator Zeeshan Ali Siddiqui praised their achievement.

AMAR UJALA

लविवि बना ऑफ-ग्रिड हैकाथॉन में उपविजेता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर के ऑफ-ग्रिड हैकाथॉन में प्रथम उपविजेता का स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता 10 व 11 अप्रैल को केईआईटी संस्थान में आयोजित हुई। इसमें देशभर से डेढ़ हजार से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। कड़े चयन के बाद 15 टीमें फाइनल में पहुंचीं। इसमें लविवि के हेमांग दत्त मिश्रा (टीम लीडर), कुशाग्र यादव और ईशान रस्तोगी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान और दस हजार रुपये का पुरस्कार जीता। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने छात्रों को बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

बहुआयामी फिल्टर उपकरण के पेटेंट को मिली मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यापकों ने वैदिक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को आधार बनाकर एक अभिनव यंत्र का डिजाइन प्रस्तुत किया है। विभागाध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह, डॉ. अशोक कुमार सतपथी व उनके सहयोगी समूह के योगदान से तैयार यह डिजाइन नवीकरणीय ऊर्जा-आधारित बहुआयामी फिल्टर उपकरण के रूप में भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा स्वीकृत एवं पंजीकृत हुआ है।

AMRIT VICHAR

हैकाथान में लवि की टीम बनी उप विजेता

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने आफ ग्रिड : राष्ट्रीय स्तर के हैकाथान में प्रथम उपविजेता का स्थान जीता। यह हैकाथान 10–11 अप्रैल केआइईटी डीम्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित किया गया था। टीम को 10 हजार रुपये की नकद राशि के साथ ट्राफी भी दी गई। इसमें बी .टेक के छात्र हेमांग दत्त मिश्रा, कुशाग्र यादव और ईशान रस्तोगी शामिल हैं। वि.